National Education Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all U.P. State Universities/ Colleges

SUBJECT: SANSKRIT

Name	Designation	Affiliation
Steering Committee		
Mrs. Monika S. Garg, (I.A.S.), Chairperson Steering Committee	Additional Chief Secretary	Dept. of Higher Education U.P., Lucknow
Prof. Poonam Tandan	Professor, Dept. of Physics	Lucknow University, U.P.
Prof. Hare Krishna	Professor, Dept. of Statistics	CCS University Meerut, U.P.
Dr. Dinesh C. Sharma	Associate Professor, Dept. of Zoology	K.M. Govt. Girls P.G. College Badalpur, G.B. Nagar, U.P.
Supervisory Committee - Language Stream		
Prof. Anita Rani Rathore	Principal	Govt. Degree College Gabhana, Alighra, U.P.
Prof. Ramesh Prasad	Associate Professor & HoD Department of Pali	Sampoornanand Sanskrit University, Varanshi
Dr. Puneet Bisaria	Associate Professor,, Department of Hindi	Bundelkhand University , Jhansi
Dr. Deepti Bajpai	Associate Professor,, Department of Sanskrit	K.M. Govt. Girls P.G. College Badalpur, G.B. Nagar, U.P.

Syllabus Developed by:

S. N.	Name	Designation	Department	College/ University
1	Dr. Deepti Bajpai	*Member Faculty Supervisory Committee – Language &* Associate Professor	Sanskrit	K.M. Govt Girls PG College, Badalpur, Gautam Buddha Nagar UP
2	Dr. Shardindu Kumar Tripathi	Associate Professor	Sanskrit	Banaras Hindu University, Varanasi
3.	Dr. Prayag Narayan Mishra	Assistant Professor	Sanskrit	Lucknow University, Lucknow
4.	Dr. Neelam Sharma	Assistant Professor	Sanskrit	K.M. Govt Girls PG College, Badalpur, Gautam Buddha Nagar UP

नई शिक्षा नीति 2020

उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय- संस्कृत

पाठ्यक्रम निर्माण के दिशा निर्देशों के अनुरूप

(स्नातक के प्रथम तीन वर्षों के लिए)

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

डॉ दीप्ति वाजपेयी (पर्यवेक्षक) एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर	डॉ. शरदिन्दु कुमार त्रिपाठी (विषय विशेषज्ञ) एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र (विषय विशेषज्ञ) असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	डॉ. नीलम शर्मा (विषय विशेषज्ञ) असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग कु. मायावती राजकीय महिल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतम बुद्ध नगर

नई शिक्षा नीति 2020

उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय- संस्कृत (स्नातक स्तर- मुख्य पाठ्यक्रम)

बी.ए.प्रथम वर्ष-

प्रथम सेमेस्टर- संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण ✓ कोड- A020101T

द्वितीय सेमेस्टर- संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग कोड- A020201T

बी.ए. द्वितीय वर्ष-

तृतीय सेमेस्टर - संस्कृत नाटक एवं व्याकरण ✓ कोड- A020301T

चतुर्थ सेमेस्टर- काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल कोड- A020401T

बी.ए. तृतीय वर्ष-

पंचम सेमेस्टर - प्रथम प्रश्न पत्र- वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन कोड- A020501T

द्वितीय प्रश्न पत्र- व्याकरण एवं भाषा विज्ञान कोड- A020502T

षष्ठ सेमेस्टर- प्रथम प्रश्न पत्र- आधुनिक संस्कृत साहित्य कोड- A020601T

द्वितीय प्रश्न पत्र- क (वैकल्पिक)- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा कोड- A020602T

अथवा

द्वितीय प्रश्न पत्र- ख (वैकल्पिक) -आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान कोड- A020603T

अथवा

द्वितीय प्रश्न पत्र- ग (वैकल्पिक) - भारतीय वास्तुशास्त्र कोड-A020604T

अथवा

द्वितीय प्रश्न पत्र- घ (वैकल्पिक) -ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त कोड-A020605T

अथवा

द्वितीय प्रश्न पत्र-ङ (वैकल्पिक) - नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान कोड- A020606T

उपर्युक्त वैकल्पिक प्रश्न पत्रों में से कोई एक

विषय- संस्कृत(स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी ।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी ।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे ।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे ।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने-समझने योग्य होंगे ।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ वन सकेंगे ।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा ।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे ।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा ।

बी॰ए॰ प्रथम वर्ष

Programme/Class: **Certificate** कार्यक्रम /वर्ग- सर्टिफिकेट	Year: **First** वर्ष- प्रथम	Semester: I सेमेस्टर – **प्रथम**
	विषय- संस्कृत	
प्रश्न पत्र कोड-A020101T	प्रश्न पत्र शीर्षक- संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि- प्रथम वर्ष / प्रथम सेमेस्टर

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस,छंद,अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे ।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे ।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा ।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी ।
- स्वर,व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25+75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	क- संस्कृत वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव - वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल,गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान,संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय	4

	ख- संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय एवं प्रमुख आचार्य प्रमुख आचार्य- महाकवि वाल्मीकि, महाकवि वेदव्यास, महाकवि कालिदास, महाकवि भारवि, महाकवि माघ, श्रीहर्ष , पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि	8
II	किरातार्जुनीयम्- प्रथम सर्ग (संपूर्ण) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
III	कुमारसंभवम्- प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 25) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
IV	नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	संज्ञा प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)	12
VI	अच् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	12
VII	हल् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	11
VIII	विसर्ग संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	10

I II III IV V VI VII VIII

प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर समाप्त

संस्तुत ग्रंथ-

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु. श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय प्रकाशन,गोरखपुर
- कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) सावित्री गुप्ता , विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि, (व्या०) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली , 2003
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण , 1997
- लघु सिद्धांत कौमुदी , वरदराज, भैमी व्याख्या , भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग) ,भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी (संज्ञा संधि प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास(असाइनमेंट) 15 अंक

एवं

संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा

एवं

माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

Further Suggestions:
....

प्रथम वर्ष / द्वितीय सेमेस्टर

Programme/Class: **Certificate** कार्यक्रम /वर्ग- सर्टिफिकेट	Year:**First** वर्ष- प्रथम	Semester: **II** सेमेस्टर - द्वितीय
	विषय- संस्कृत	
प्रश्न पत्र कोड-A020201T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **संस्कृत गद्य साहित्य,अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे|**
- **संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा |**
- **राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे |**
- **अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी |**
- **संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा |**
- **विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।**
- **E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे ।**
- **संस्कृत भाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे ।**
- **संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे।**
- **पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।**

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	**गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास** **प्रमुख साहित्यकार - बाणभट्ट, दण्डी ,सुबंधु, शूद्रक,**	11

	अंबिकादत्तव्यास, पंडिता क्षमाराव	
II	शुकनासोपदेश (व्याख्या)	12
III	शिवराजविजयम्-प्रथम निश्वास (व्याख्या)	12
IV	उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	अनुवाद- हिंदी से संस्कृत में (नियम निर्देश पूर्वक) (कारक एवं विभक्ति का ज्ञान अपेक्षित)	12
VI	अनुवाद- संस्कृत (अपठित) से हिंदी अथवा अंग्रेजी में	11
VII	कंप्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कंप्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर कंप्यूटर में संस्कृत-हिंदी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स- यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग आदि	12
VIII	इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च- ई टेक्स्ट, ई बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैग्जीन, डिजिटल लाइब्रेरी ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म- जूम, टीम ,मीट, वेबैक्स ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म-स्वयं,मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्रेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि	10

संस्तुत ग्रंथ-

- शुकनासोपदेश,बाणभट्ट, (संपा.) चंद्रशेखर द्विवेदी,महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश(कादंबरी), डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- शिवराजविजयम्, अंबिकादत्त व्यास संपा. शिव करण शास्त्री महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, डॉ रमा शंकर मिश्र, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

- शिवराजविजयम्, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- शिवराजविजयम्, डॉ देव नारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, अनुवाद चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल , मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- कंप्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर
- कंप्यूटर फंडामेंटल, पी.के सिन्हा, बी.पी.बी पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अंक

अथवा

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय)

अथवा

संस्कृत संभाषण

(ख) संगणक प्रायोगिक परीक्षा 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

......

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

बी॰ए॰ द्वितीय वर्ष

Programme/Class: Diploma कार्यक्रम /वर्ग- डिप्लोमा	Year: Second वर्ष- द्वितीय		Semester: III सेमेस्टर – तृतीय
	विषय- संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड-A020301T	प्रश्न पत्र शीर्षक- संस्कृत नाटक एवं व्याकरण		

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि- वर्ष द्वितीय / सेमेस्टर तृतीय

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे ।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे ।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे ।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे ।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी ।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
- व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0	

Unit इकाई	Topics पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	नाट्य साहित्य परंपरा तथा प्रमुख नाटककार- भास, अश्वघोष. भवभूति. भट्टनारायण, विशाखदत्त	12
II	अभिज्ञान शाकुंतलम् (1 से 2 अंक)	11
III	अभिज्ञान शाकुंतलम् (3 से 4 अंक)	11
IV	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)	11

	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	रूप सिद्धि- सामान्य परिचय अजन्त प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी) पुल्लिंग - राम, सर्व, हरि, सखि सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि	12
VI	अजन्त प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी) स्त्रीलिंग - रमा सर्वा मति नपुंसकलिंग - ज्ञान वारि सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि	11
VII	हलन्त प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी) पुल्लिंग - इदम्, राजन्, तद् ,अस्मद्, युष्मद् सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि	11
VIII	हलन्त प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी) स्त्रीलिंग - किम् अप् इदम् नपुंसकलिंग- इदम् अहन् सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि	11

संस्तुत ग्रंथ-

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिल देव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ
- स्वप्नवासवदत्तम्, श्री तरणीश झा, रामनारायण लाल बेनी माधव प्रकाशक, इलाहाबाद
- स्वप्नवासवदत्तम्, जय कृष्ण दास हरिदास गुप्त, चौखंबा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ ए.वी.कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धांत ,जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ, 2012
- संस्कृत के प्रमुख नाटककार और उनकी कृतियां, डॉ गंगासागर राय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग),भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993

- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी डॉ रामकृष्ण आचार्य विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल परीक्षा **15 अंक**

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम /वर्ग- **डिप्लोमा**	Year: **Second** वर्ष - **द्वितीय**	Semester: **IV** सेमेस्टर - **चतुर्थ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020401T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे ।**
- **छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे ।**
- **संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे ।**
- **कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा ।**

- शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी ।
- व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।
- संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी।
- अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा तथा प्रमुख का व शास्त्रीय ग्रंथ एवं आचार्य- भामह, दण्डी, वामन, आनंदवर्धन, मम्मट, कुंतक, क्षेमेंद्र, विश्वनाथ, जगन्नाथ	12
II	साहित्य दर्पण (प्रथम परिच्छेद)	11
III	छंद (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छंद) अनुष्टुप ,आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलंबित, भुजंगप्रयात, बसंततिलका, इंद्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, मंदाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा	11
IV	अलंकार (साहित्य दर्पण से अधोलिखित अलंकार) अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान, दृष्टांत, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति	11
	द्वितीय भाग (PART-2)	

V	निबंध	12
VI	पत्र व्यवहार	11
VII	समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन अथवा विज्ञापन अथवा समाचार लेखन	11
VIII	अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर	11

संस्तुत ग्रंथ-

- साहित्य दर्पण (विश्वनाथ कविराज), सत्यव्रत सिंह, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- साहित्य दर्पण, शालिग्राम शास्त्री मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य दर्पण, राज किशोर सिंह प्रकाशक केंद्र, लखनऊ
- वृत्तरत्नाकरः श्री केदारभट्ट, (व्या.) बल्देव उपाध्याय , चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी , 2011
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो.राजेंद्र मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन
- छंदमंजरी विकास, हरिदत्त उपाध्याय
- काव्यदीपिका, कांति चंद्र भट्टाचार्य, साहित्य भंडार, मेरठ
- काव्यदीपिका, डॉ बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- हायर संस्कृत ग्रामर, मोरेश्वर रामचंद्र काले, (हिंदी अनुवादक) कपिल देव द्विवेदी, श्री रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, अनुवाद चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, वी० एस० आप्टे, (अनु०) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2010
- संस्कृतनिबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन
- संस्कृत निबन्ध सुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी — 15 अंक

अथवा

किसी एक छंद अथवा अलंकार के लक्षण एवं न्यूनतम 10 उदाहरण (संगति सहित) के संकलन से संबंधित परियोजना कार्य एवं मौखिकी

अथवा

प्रदत्त अपठित श्लोकों में छंद एवं अलंकार निर्धारण विषयक प्रायोगिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) — 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

बी॰ ए॰ तृतीय वर्ष / पंचम सेमेस्टर

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- स्नातक डिग्री	Year: **Third** वर्ष- तृतीय	Semester: **V** सेमेस्टर - **पंचम**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020501T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **प्रथम प्रश्न पत्र- वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा |
- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा |
- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा |
- औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे |
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थि को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा |
- भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ बोध होगा।
- दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा |

- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे ।
- गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25+75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	**वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय** **(संहिता, ब्राह्मण ,आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग)**	9
II	**ऋग्वेद संहिता- अग्नि सूक्त(1.1), विष्णु सूक्त (1.154), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), वाक् सूक्त (10.125)**	9
III	**यजुर्वेद संहिता- शिव संकल्प सूक्त** **अथर्ववेद संहिता - पृथ्वी सूक्त (12.1) (1 से 12 मन्त्र), सामंनस्य सूक्त (3.30)**	9
IV	**ईशावास्योपनिषद्** **व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न**	9
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	**भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय।** **दर्शन का अर्थ एवं महत्व** **नास्तिक दर्शन- चार्वाक,जैन और बौद्ध।** **आस्तिक दर्शन- न्याय,वैशेषिक,सांख्य, योग,मीमांसा एवं वेदांत** **(परिचयात्मक प्रश्न)**	9

VI	श्रीमद्भगवतगीता- द्वितीय अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	10
VII	तर्कसंग्रह (आरंभ से प्रत्यक्ष खंड पर्यन्त)	10
VIII	तर्कसंग्रह (अनुमान से समाप्ति पर्यन्त)	10

संस्तुत ग्रंथ-

- ईशावास्योपनिषद्, डॉ शिव प्रसाद द्विवेदी चौखंबा, वाराणसी
- ईशावास्योपनिषद्,गीता प्रेस, गोरखपुर , 1994
- ऋग्वेद संहिता राम गोविंद त्रिवेदी चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
- ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ
- ऋक्सूक्त सौरभ, डॉ आर.के.लौ, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- सूक्त संकलन, प्रोफेसर विश्वंभर नाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन
- सूक्त संकलन, डॉ उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ प्रयाग नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र ,लखनऊ
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा प्रकाशन
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ करण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ,
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो.राममूर्ति शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन
- श्रीमद्भगवद्गीता , (सम्पा०) गजानन शंभू साधले शास्त्री,परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1985
- श्रीमद्भगवद्गीता, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस, गोरखपुर , 2009
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट , (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट ,(व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन , वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, 1958
- भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004
- भारतीय दर्शन का इतिहास,एस.एन. दासगुप्ता (अनु) कला नाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच भागों में), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1969-1989
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1989
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम.हिरियन्ना , (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली 1965

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) वैदिक मंत्रों का शुद्ध एवं स्वर उच्चारण (भावार्थ सहित) अथवा अधिन्यास(असाइनमेंट) एवं मौखिकी	15 अंक
(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ /लघु उत्तरीय)	10 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)	
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- तृतीय	Semester: **V** सेमेस्टर - **पंचम**
विषय- संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड-A020502T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र** - व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।**
- **संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।**
- **भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे।**
- **ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।**
- **पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।**
- **संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।**

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**	

Unit इकाई	Topics पाठ्य विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
I	धातु रूप सिद्धि (लघु सिद्धांत कौमुदी) भू, पा, गम्, कृ, एध् (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)	11
II	कृदन्त प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी) कृत्य- तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत् कृत्- तुमुन्,क्त्वा,ल्यप्, क्त, क्तवतु ,शतृ ,शानच्, ण्वुल, तृच्, णिनि	10
III	तद्धित प्रकरण - अपत्यार्थ (लघु सिद्धांत कौमुदी)	9
IV	विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)	9
V	समास प्रकरण - केवल समास (लघु सिद्धांत कौमुदी)	9
VI	स्त्री प्रत्यय (लघु सिद्धांत कौमुदी)	9
VII	भाषा विज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान के मुख्य अंग एवं उपादेयता भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप , भाषा की विशेषताएं, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेक रूप (बोली भाषा विभाषा)	9
VIII	भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण , ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण	9

संस्तुत ग्रंथ-

- लघु सिद्धांत कौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या , भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग) ,भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी डॉ रामकृष्ण आचार्य विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र ,लखनऊ
- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र , कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी , द्वादश संस्करण 2010
- भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन- (क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी अथवा संस्कृत संभाषण — 15 अंक (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) — 10 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
Suggested equivalent online courses:
Further Suggestions:

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड-A020601T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **प्रथम प्रश्न पत्र** - **आधुनिक संस्कृत साहित्य**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- आधुनिक संस्कृत-कवियों से सुपरिचित होंगे।
- नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल-साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits: **5**		**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75		Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**		
Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय	10
II	आधुनिक महाकाव्य उत्तरसीताचरितम् (सप्तम सर्ग- विद्याधिगमः) प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी	10
III	आधुनिक काव्य श्रम-माहात्म्यम् (षोडशी) -श्रीधर भास्कर वर्णेकर	9
IV	आधुनिक-नाटक क्षत्रपति साम्राज्यम् (प्रथम अंक) –श्रीमूलशंकरमाणिकलाल "याज्ञिक"	9
V	संस्कृत उपन्यास पद्मिनी (प्रथम एवं द्वितीय विराम) -मोहन लाल शर्मा पांडे	9
VI	संस्कृत गीतिकाव्य तदेव गगनं सैव धरा (1से 50 पद्य)-आचार्य श्रीनिवास "रथ	10
VII	संस्कृत कथा कथा मुक्तावली (क्षणिक विभ्रमः) पण्डिता क्षमाराव	9
VIII	संस्कृत सुभाषित दीपमालिका, पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री	9

संस्तुत ग्रंथ-

- कथा मुक्तावली (पण्डिता क्षमाराव) **P. J. Pandya for N.M. Tripathi Ltd, Princess Street,Bombay-2**
- उत्तरसीताचरितम् - (प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी) कालिदास संस्थानम्,वाराणसी -५

- षोडशी- श्रीधर भास्कर वर्णेकर ,सम्पादक एवं संकलनकर्ता -प्रो.राधावल्लभ त्रिपाठी,साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- क्षत्रपति साम्राज्यम् - श्रीमूलशंकरमाणिकलालयाज्ञिक,व्याख्याकार-डा.नरेश झा,चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी
- तदेव गगनं सैव धरा - आचार्य श्रीनिवास "रथ" नाग पब्लिशर्स १९९५
- दीपमालिका वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी
- पद्मिनी, मोहन लाल शर्मा पांडे, पांडे प्रकाशन जयपुर
- संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, सप्तम खंड- आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय , उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण 2000
- आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची, (संपादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा , राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान , नई दिल्ली
- http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL).........

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) आधुनिक संस्कृत पुस्तक समीक्षा एवं मौखिकी अथवा आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण एवं मौखिकी	15 अंक
(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय)	10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- तृतीय	Semester: **six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
	विषय- संस्कृत	
प्रश्न पत्र कोड-A020602T	प्रश्न पत्र शीर्षक- द्वितीय प्रश्न पत्र-(क)(वैकल्पिक)- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
- योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
- योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
- योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	योग की भारतीय अवधारणा उपयोगिता एवं महत्व प्रमुख आचार्य एवं ग्रंथ	10
II	योगसूत्र- समाधि पाद (सूत्र 1 से 29 तक)	10
III	योगसूत्र - साधना पाद (सूत्र 29 से 55 तक)	10
IV	योगसूत्र- विभूति पाद (सूत्र 1 से 15 तक)	9
V	घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 32)	9
VI	घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 33 से 60)	9
VII	घेरण्ड संहिता - द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्) सिद्धासन, पद्मासन,भद्रासन, मुक्तासन,वज्रासन,स्वस्तिकासन् , सिंहासन,गोमुखासन्	9
VII		9

	घेरण्ड संहिता - द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्) वीरासन,धनुरासन,मृतासन,मत्स्यासन, पश्चिमोत्तानासन, गरुड़ासन, मकरासन,भुजङ्गासन	

संस्तुत ग्रंथ-

- पातंजलयोगदर्शनम् , पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य , वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्तिक सहित , (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी ,1981
- योग दर्शन , हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस,गोरखपुर
- पातंजलयोगदर्शनम्, सुरेश चंद श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
- घेरंड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीतांबरा पीठ , दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी.डी. मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रेपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
- सूर्य किरण चिकित्सा विज्ञान, अमर जीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
- नेचर क्योर फिलासफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) योगासनों का प्रदर्शन — 15 अंक

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) — 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) ....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

अथवा

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- स्नातक डिग्री	Year: Third वर्ष- तृतीय	Semester: **Six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
	विषय- **संस्कृत**	
प्रश्न पत्र कोड-A0206003T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र (ख) (वैकल्पिक) - आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे।
- वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
- अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास** **प्रमुख आचार्य - चरक, सुश्रुत,वाग्भट, माधव , शार्ङ्गधर,भावमिश्र**	10
II	**आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्व, अष्टांग आयुर्वेद**	11
III	**चरक संहिता - सूत्र स्थान** **प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 92)**	9
IV	**चरक संहिता - सूत्र स्थान** **प्रथम अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति पर्यंत)**	9

V	चरक संहिता - सूत्र स्थान नवम अध्याय	9
VI	चरक संहिता - सूत्र स्थान दशम अध्याय	9
VII	अष्टांगहृदयम् - वाग्भट सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 1-19	9
VIII	अष्टांगहृदयम् - वाग्भट सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 20- 44	9

संस्तुत ग्रंथ-

- चरक संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,2005
- अष्टांगहृदयम् ,वाग्भट, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ , द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय , आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंबा वाराणसी
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखंबा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) अधिनियम (असाइनमेंट) / पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी — 15 अंक
अथवा
प्रदत्त समस्या का निदान आदि (प्रायोगिक)

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) — 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses: …………………………………………
Further Suggestions: …………………………………………

अथवा

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- तृतीय	Semester: **Six** सेमेस्टर - षष्ठ
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020604T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र (ग) वैकल्पिक - भारतीय वास्तुशास्त्र**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।**
- **भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।**
- **वास्तु शास्त्र के महत्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।**
- **वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।**

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय** **महत्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता**	10
II	**वास्तुसौख्यम् (टोडरमल्ल विरचित)** **वास्तुसौख्यम् - प्रथम भाग**	10

	वास्तु प्रयोजन, वास्तु स्वरूप (श्लोक 4 से 13) वास्तु सौख्यम्- द्वितीय भाग भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवासहेतुस्थान निर्वाचन (श्लोक 14 से 22) वास्तु सौख्यम्- तृतीय भाग गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण,शल्यशोधन (श्लोक 31-49, 74-82)	
III	वास्तु सौख्यम्- चतुर्थ भाग षड्वर्ग परिशोधन, वास्तुचक्र, ग्रहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83-102 , 107-112) वास्तु सौख्यम्- षष्ठ भाग पञ्चविधगृह, शालालिन्दप्रमाण, वीथिका प्रमाण (श्लोक 171-194, 195-196) वास्तु सौख्यम्- सप्तम भाग द्वार प्रमाण, स्तम्भ प्रमाण, पञ्च चतुःशाला गृह- सर्वतोभद्र,नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203-217)	10
IV	वास्तु सौख्यम्- अष्टम भाग एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287-302, 305-307) वास्तु सौख्यम्- नवम भाग वासदिशानिरुपण, द्वारफल, द्वारवेधफल (श्लोक 322-335, 359-369)	9
V	मुहूर्तचिन्तामणि ,वास्तु प्रकरण, श्लोक 01 से 14	9
VI	मुहूर्तचिन्तामणि, वास्तु प्रकरण श्लोक 15 से 29	9
VII	मुहूर्तचिन्तामणि,गृहप्रवेशप्रकरण	9

VIII	भारतीय वास्तु शास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा	9

संस्तुत ग्रंथ-

- वास्तु सौख्यम्, टोडरमल्ल, (सम्पा०) कमलाकांत शुक्ल , शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान , वाराणसी, 1996
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम,पीयूषधारा टीका सहित,मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम,श्रीदुर्गा पुस्तकभण्डार,प्रयागराज
- भारतीय वास्तु शास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- बृहद् वास्तुमाला, राम मनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2012
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) पिण्डशोधन, भवन निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक)
अथवा
अधिन्यास (असाइनमेंट)/ पत्रप्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी — 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) — 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

....

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- तृतीय	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड-A020605T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र (घ) वैकल्पिक - ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्धांत**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय प्राच्य ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।**
- **भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
- **ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।**
- **पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा**

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**ज्योतिष शास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास** **त्रिस्कंध ज्योतिष-सिद्धांत, संहिता, होरा**	9
II	**ज्योतिष चंद्रिका- संज्ञा प्रकरण** **श्लोक 1 से 40**	10
III	**ज्योतिष चंद्रिका- संज्ञा प्रकरण**	10

	श्लोक 41 से 80	
IV	ज्योतिष चंद्रिका- संज्ञा प्रकरण श्लोक 81 से 115	10
V	शीघ्रबोध -प्रथमप्रकरण	9
VI	शीघ्रबोध - द्वितीय प्रकरण	9
VII	शीघ्रबोध -तृतीय प्रकरण	9
VIII	शीघ्रबोध - चतुर्थ प्रकरण	9

संस्तुत ग्रंथ-

- ज्योतिष चंद्रिका, रेवती रमण शर्मा, (संपा) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
- शीघ्रबोध,काशीनाथ, सम्पा. खूबचन्दशर्मा गौड़,नवलकिशोर बुकडिपो,लखनऊ
- शीघ्रबोध ,काशीनाथ, सम्पा. प्रो.बृजेशकुमार शुक्ल,रायल बुक डिपो,लखनऊ
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो.बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- बृहत् संहिता, अच्युतानंद झा (अनु०), चौखंबा विद्याभवन , वाराणसी
- बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली
- भारतीय ज्योतिष,शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु०) हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश
- भारतीय ज्योतिष, नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- ब्रह्मांड एवं सौर परिवार , त्रिपाठी देवी प्रसाद , दिल्ली
- भुवन कोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी
अथवा
पंचागावलोकन परीक्षा — **15 अंक**

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) — **10 अंक**

Course prerequisites:	सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
	विषय- **संस्कृत**	
प्रश्न पत्र कोड-A020606T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र-ङ (वैकल्पिक)- नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकांड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे ।
- नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
- सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे ।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।r

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	नित्य विधि(प्रातरुत्थान, स्नान, संध्या, तर्पण तथा पंचयज्ञ)	10
II		10

	स्वस्तिवाचन, संकल्प ,गौरी -गणेश- पूजन तथा वरुणकलश -स्थापन	
III	षोडशोपचार पूजन, कुशकंडिका- विधि ,मंडप- कुंड- निर्माण तथा होम विधि	10
IV	रुद्राभिषेक ,महामृत्युंजय जप तथा नवचंडी विधान	9
V	नवग्रह शांति ,मूलगण्डान्तशान्ति, दुःस्वप्रशान्ति तथा वैधव्योपशांति	9
VI	प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौल कर्म	9
VII	यज्ञोपवीत तथा विवाह संस्कार	9
VIII	गृहारंभ तथा गृह प्रवेश	9

संस्तुत ग्रंथ-

- पारस्करगृहयसूत्र संपा. सुधाकर मालवीय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कर्म कौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001
- कर्मठगुरु, मुकुंद बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
- आपस्तम्बीयकर्म मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदू संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 1995
- धर्म शास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग ,अर्जुन चौबे ,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
- संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
- पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
- नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीता प्रेस गोरखपुर
- धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु०) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ , 1973

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन- (क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी (मंत्रोच्चार परीक्षा) 15 अंक (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)
Suggested equivalent online courses: ....
Further Suggestions: ....